अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय

(राज्य आय प्रशाखा)

सफलता की कहानी

राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय आय (National Income) के आकलन का प्रयास कतिपय अर्थशास्त्रियों एवं बुद्धिजीवियों द्वारा किया गया, परन्तु ये प्रयास मानक पर खरे नहीं उतरे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय आय के आकलन के निमित्त रीति-विधान की तैयारी के लिए प्रोफेसर पी०सी० महालेनोवीस की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया जिसके अन्य दो सदस्य प्रो० डी०आर० गाडगिल एवं प्रोफेसर वी०के०आर०वी० राव थे। इस समिति द्वारा अनुशंसित रीति विधान के आलोक में केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1956 में आधार वर्ष 1948-49 की श्रृखंला में वर्ष 1950-51 से आगे के वर्षों के लिए राष्ट्रीय आय अनुमान का आकलन कर प्रकाशित किया गया। इस रीति विधान का अनुसरण करते हुए अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना द्वारा भी आधार वर्ष 1948-49 की श्रृंखला में निवल राज्य घरेलू उत्पाद के अनुमान का आकलन प्रचलित एवं स्थिर (1948-49) मूल्यों पर प्रारंभ किया गया। समय-समय पर केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा निम्न प्रकार आधार वर्ष में परिवर्तन किया गया-

	आधार वर्ष	आधार वर्ष लागू करने तिथि
1	1948-49 से 1960-61	अगस्त 1967
2	1960-61 से 1970-71	जनवरी 1978
3	1970-71 से 1980-81	फरवरी 1988
4	1980-81 से 1993-94	फरवरी 1999
5	1993-94 से 1999-2000	जनवरी 2006
6	1999-00 से 2004-05	जनवरी 2010

उक्त परिवर्तित आधार वर्षो की श्रृंखला में केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय के साथ-साथ अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना द्वारा राज्य घरेलू उत्पाद के अनुमान का आकलन प्रचलित एवं स्थिर (आधार वर्ष) मूल्यों पर किया जाता रहा है।

उल्लेखनीय है कि आधार वर्ष 1948-49 से 1970-71 की श्रृंखला तक मात्र निवल राज्य घरलू उत्पाद के अनुमान का आकलन किया जाता था। आधार वर्ष 1980-81 से निवल राज्य घेरलू उत्पाद के साथ-साथ सकल राज्य घरेलू उत्पाद के अनुमान के आकलन का कार्य केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा निर्गत रीति-विधान के आलोक में किया जा रहा है। सम्प्रति आधार वर्ष 2004-05 की श्रृंखला में प्रचलित एवं स्थिर (आधार वर्ष) मूल्यों पर सकल तथा

निवल राज्य घरेलू उत्पाद अनुमान के साथ-साथ प्रति व्यक्ति सकल/निवल राज्य घरेलू उत्पाद के अनुमान की गणना की जा रही है।

राज्य आय प्रशाखा द्वारा सम्प्रति चार प्रकार के राज्य घरेलू उत्पाद के अनुमान का आकलन किया जा रहा है।

1. तुलनीय अनुमान
2. औपबंधिक अनुमान
3. द्रुत अनुमान एवं
4. अग्रिम अनुमान

प्रत्येक वर्ष विशेष के लिए निदेशालय द्वारा आकलित अनुमान पर केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, नई दिल्ली के अधिकारियों के साथ विस्तृत विमर्श कर उन्हें तुलनीय स्वरूप प्रदान किया जाता है। उसके आगे के वर्षो के लिए क्रमशः औपबंधिक, द्रुत एवं अग्रिम अनुमान का आकलन किया जाता है।

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, नई दिल्ली के दिशा/निर्देश के आलोक में इस शाखा द्वारा विभिन्न आधार वर्षो की श्रृंखला में राज्य घरेलू उत्पाद के अनुमान की पुस्तिका के प्रकाशन के अतिरिक्त निम्नांकित पुस्तिका/प्रतिवेदन प्रकाशित किये गये है:-

1. जिला आय अनुमान

i	आधार वर्ष 1993-94 की श्रृंखला में	वर्ष 1998-99 से 2000-01
ii	आधार वर्ष 1999-2000 की श्रृंखला में	वर्ष 1999-00 से 2006-07
iii	आधार वर्ष 2004-2005 की श्रृंखला में	(क) 2004-05 से 2007-08 (ख) 2004-05 से 2008-09 के लिए कार्य प्रगति पर।
2	ग्रामीण-शहरी राज्य घरेलू उत्पाद के अनुमान	(क) आधार वर्ष 1999-00 के लिए आकलित। (ख) आधार वर्ष 2004-05 के लिए प्रगति पर।
3	बैक सीरीज लिंकेज	(क) आधार वर्ष 1999-00 की श्रृंखला में वर्ष 1948-49 से वर्ष 1998-99 तक (ख) आधार वर्ष 2004-05 की श्रृंखला में वर्ष 1948-49 से वर्ष 2003-04 के लिए प्रगति पर।